दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स झारखंड

मई 2022

(संग्रह)

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

झारखंड **3**

- राँची में बनाया गया देश का दूसरा सबसे बड़ा शिवलिंग 3
- अंडर-17 महिला फीफा वर्ल्ड कप, 2022 के लिये झारखंड की सात बेटियाँ चयनित 3
- मुख्यमंत्री रोज़गार सृजन योजना 3
- जोहार एग्री मार्ट 4
- सरकारी नौकरी के लिये होने वाली परीक्षाओं में हिन्दी को भाषा सूची में शामिल करने को तैयार हुई झारखंड सरकार 4
- राज्य सरकार ने डॉल्फिन सफारी परियोजना के लिये दो स्थलों का प्रस्ताव रखा 5
- झारखंड राज्य कृषि उत्पाद और पशुधन विपणन (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, 2022 5
- बोकारो स्टील प्लांट और डालमिया भारत फाउंडेशन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये 6
- साइंस फिल्म फेस्टिवल की मेज़बानी करेगा बोकारो 6
- चट्टी-बरियातू कोयला खनन परियोजना में खनन कार्य शुरू 7
- बीज विनिमय एवं वितरण कार्यक्रम 7
- आयरलैंड दौरे के लिये झारखंड की तीन महिला खिलाड़ी चयनित 7
- तंबाकू नियंत्रण के लिये झारखंड को डब्ल्यूएचओ पुरस्कार 8
- 29 से बढ़कर 38 हुए खान सुरक्षा महानिदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय 8
- जैन तीर्थस्थल पारसनाथ 9

नोट :

झारखंड

राँची में बनाया गया देश का दूसरा सबसे बड़ा शिवलिंग

चर्चा में क्यों ?

3 मई, 2022 को झारखंड की राजधानी राँची के चुटिया स्थित सुरेश्वर धाम में स्थापित देश के दूसरे सबसे बड़े शिवलिंग वाले मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के लिये भव्य कलश यात्रा के साथ पाँच दिवसीय अनुष्ठान कार्यक्रम शुरू हुआ।

प्रमुख बिंदु

- कर्नाटक के मंदिर की तर्ज़ पर ही राँची में भी भव्य शिवलिंग की स्थापना की गई है। इस शिवलिंग की ऊँचाई 108 फीट है। शंखनाद होने पर मंदिर के अंदर शंख की आवाज़ करीब एक मिनट तक गूँजेगी।
- गौरतलब है कि कर्नाटक के कौटिल्य लिंगेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है, उसकी ऊँचाई भी 108 फीट ही है।
- देश के दूसरे सबसे बड़े शिवलिंग वाले इस मंदिर को बनाने में 10 साल का समय लगा है। इस शिवलिंग पर एक साथ 50 लोग जल अर्पण कर सकेंगे।
- इस मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा काशी के पुरोहितों द्वारा की जाएगी।

अंडर-17 महिला फीफा वर्ल्ड कप, 2022 के लिये झारखंड की सात बेटियाँ चयनित

चर्चा में क्यों ?

5 मई, 2022 को मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि झारखंड की सात महिला खिलाड़ियों का चयन अंडर-17 महिला फीफा वर्ल्ड कप, 2022 के प्रशिक्षण के लिये चयनित 33 भारतीय खिलाड़ियों में हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- चयनित खिलाड़ियों में अंजली मुंडा, सलीना कुमारी, सुधा अंकिता तिर्की, अस्तम उराँव, पूर्णिमा कुमारी, नीतू लिंडा और अनीता कुमारी शामिल हैं।
- वर्तमान में ये सभी खिलाड़ी जमशेदपुर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।
- कोविड-19 के कारण उत्पन्न कठिनाईयों को देखते हुए इन लड़कियों को सहयोग प्रदान करने के लिये खेल विभाग की ओर से फुटबाल किट एवं यूनिसेफ की ओर टी-शर्ट्स प्रदान किया गया।
- उल्लेखनीय है कि यूनिसेफ ने चैंपियन ऑफ चेंज फॉर चाइल्ड राइट्स के रूप में चयनित खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा है। यूनिसेफ इन्हें बाल अधिकारों, किशोर-किशोरियों के मुद्दों, समुचित पोषण की आवश्यकता, माहवारी स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोसामाजिक परामर्श आदि मुद्दों पर सरकार को दिये जाने वाले तकनीकी सहयोग के रूप में प्रशिक्षित भी किया था।

मुख्यमंत्री रोज़गार सृजन योजना

चर्चा में क्यों ?

9 मई, 2022 को झारखंड सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि 'मुख्यमंत्री रोज़गार सृजन योजना' में विगत ढ़ाई वर्ष में तीन गुना लाभ स्वरोज़गार अपनाने वालों को दिया गया है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इसके तहत पिछले वित्तीय वर्ष में 3,976 युवाओं के बीच 59.61 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया गया है। परिणामस्वरूप स्वरोज़गार के लिये विगत दो वर्ष में तीन गुना युवाओं को इस योजना का लाभ प्राप्त हुआ है।
- नई सरकार के गठन के साथ 'मुख्यमंत्री रोज़गार सृजन योजना' को पुन: शुरू कर इसका लाभ वर्ष 2021-22 से ही दिया जा रहा है।
- इसके तहत राज्य के 18 से 45 वर्ष के युवा नागरिकों को स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिये न्यूनतम दर पर 25 लाख रुपए का ऋण प्रदान किया जाता है। इसके साथ-साथ 40% अनुदान (सब्सिडी) या 5 लाख रुपए सरकार की तरफ से प्रदान किया जाता है।
- योजना का लाभ केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, पिछड़े वर्ग के नागरिक एवं सखी मंडल की महिलाएँ ही प्राप्त कर सकती हैं।

जोहार एग्री मार्ट

चर्चा में क्यों ?

10 मई, 2022 को झारखंड सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राज्य भर में 25 जोहार एग्री मार्ट से लगभग 35 हज़ार से अधिक किसानों को तकनीकी सुविधाएँ मिल रही हैं।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी अंतर्गत जोहार परियोजना के जरिये झारखंड में किसानों को उन्नत खेती से जुड़ी सुविधाओं, जैसे- उचित दामों पर उच्च गुणवत्ता वाले खाद, बीज, कीटनाशक आदि की उपलब्धता एवं मिट्टी की जाँच, मौसम की जानकारी, कृषि यंत्र आदि को एक छत के नीचे उपलब्ध कराने की पहल जोहार एग्री मार्ट के द्वारा की गई है।
- जोहार एग्री मार्ट के ज़रिये उत्पादक समूहों से जुड़े किसानों के अलावा आम किसानों को भी उचित मूल्य पर खेती से जुड़ी हर तरह की सामग्री एवं सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।
- वर्तमान में राज्य के कुल 11 ज़िलों में 25 जोहार एग्री मार्ट का संचालन किया जा रहा है। जोहार एग्री मार्ट किसानों की तरक्की के लिये वन स्टॉप सेंटर के रूप में वरदान साबित हो रहा है।

सरकारी नौकरी के लिये होने वाली परीक्षाओं में हिन्दी को भाषा सूची में शामिल करने को तैयार हुई झारखंड सरकार

चर्चा में क्यों ?

11 मई, 2022 को झारखंड सरकार ने राज्य उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि वह सरकारी नौकरी के लिये होने वाली परीक्षाओं में हिन्दी को एक भाषा के रूप में शामिल करने को तैयार है।

प्रमुख बिंदु

- सुप्रीम कोर्ट के वकील मुकुल रोहतगी ने राज्य की ओर से दलील देते हुए कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित परीक्षाओं में हिन्दी को विषयों की सूची में शामिल किया जाएगा।
- गौरतलब है कि हेमंत सोरेन सरकार द्वारा नियुक्तियों के लिये की घोषित नई नीति के मुताबिक नौकरी पाने वाले इच्छुकों के लिये एक क्षेत्रीय व एक आदिवासी भाषा में कम-से-कम 30 फीसदी नंबरों को मेरिट लिस्ट बनाने के लिये अनिवार्य किया गया है।
- झारखंड सरकार की नई नीति के मुताबिक राज्यस्तरीय परीक्षाओं में कोई भी परीक्षार्थी 12 भाषाओं में से एक को चुनकर उसमें परीक्षा दे सकता है। इन भाषाओं में मुंडारी, खड़िया, हो, संथाली, खोरठा, पाँचपरगनिया, बांग्ला, उर्दू, कुर्माली, नागपुरी, कुरुख और उड़िया शामिल हैं।
- इस सूची का अर्थ है कि इन 12 भाषाओं में परीक्षा के पेपर दिये जाएंगे यानी हिन्दी और संस्कृत में जैसे पहले पेपर मिलते थे, अब नहीं मिलेंगे।

नोट :

राज्य सरकार ने डॉल्फिन सफारी परियोजना के लिये दो स्थलों का प्रस्ताव रखा

चर्चा में क्यों ?

15 मई, 2022 को झारखंड के साहिबगंज संभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) मनीष तिवारी ने बताया कि राज्य सरकार ने देश के राष्ट्रीय जलीय जीवों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये साहिबगंज ज़िले में गंगा नदी पर दो स्थलों को डॉल्फिन सफारी के लिये प्रस्तावित किया है।

प्रमुख बिंदु

- डीएफओ मनीष तिवारी ने बताया कि केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मांग के अनुसार राज्य सरकार ने परियोजना के लिये राजमहल में सिंघीदलन और साहिबगंज में ओझाटोली में दो स्थलों की पहचान की।
- उन्होंने कहा कि दोनों स्थलों को केंद्र की डॉल्फिन जलज सफारी परियोजना से जोड़ा जा सकता है। दोनों स्थलों के बीच की दूरी लगभग 40 किलोमीटर है।
- गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से दो स्थानों साहिबगंज और राजमहल के लिये ईको-पर्यटन परियोजना के लिये प्रस्ताव मांगा था। राज्य सरकार ने अप्रैल के अंत तक अपनी योजना प्रस्तुत की थी।
- मनीष तिवारी ने कहा कि स्थलों का चयन करते समय डॉल्फिन की मौजूदगी और आर्थिक एवं पर्यटन संभावनाओं पर विचार किया गया। प्रस्तावित स्थल इन प्रजातियों की बेहतर निगरानी में मदद करेंगे और पर्यटन के माध्यम से स्थानीय रोज़गार को बढ़ावा देंगे।
- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने अक्टूबर 2020 में देश में छह स्थानों- उत्तर प्रदेश में बिजनौर, बृजघाट, प्रयागराज और वाराणसी, बिहार में कहलगाँव और पश्चिम बंगाल के बंडेल में सफारी परियोजना शुरू की थी।
- उल्लेखनीय है कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची एक के तहत संरक्षित डॉल्फिन झारखंड के साहिबगंज ज़िले में गंगा नदी के 83 किलोमीटर के हिस्से में पाई जाती हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) ने इस साल जनवरी में झारखंड में गंगा के हिस्से में एक सर्वेक्षण किया था, जहाँ 81 डॉल्फिन मिलीं।

झारखंड राज्य कृषि उत्पाद और पशुधन विपणन (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, 2022

चर्चा में क्यों ?

17 मई, 2022 को झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड विधानसभा द्वारा पारित 'झारखंड राज्य कृषि उत्पाद और पशुधन विपणन (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, 2022' को इसके हिन्दी और अंग्रेज़ी संस्करणों में अंतर के कारण वापस कर दिया।

प्रमुख बिंदु

- यह राज्य सरकार द्वारा पारित पाँचवा विधेयक है, जिसे राज्यपाल द्वारा विधेयकों के हिन्दी और अंग्रेज़ी संस्करणों में अंतर के कारण सरकार को वापस कर दिया गया है।
- इस विधेयक के माध्यम से देश में पहली बार झारखंड सरकार प्राइवेट बाज़ार समिति कैंपस के कॉन्सेप्ट को ज़मीन पर लागू करने जा रही है।
- कृषि बाज़ार समितियों में राज्य सरकार द्वारा मनोनीत या निर्वाचित जन-प्रतिनिधि को अध्यक्ष बनाया जाएगा।
- इस विधेयक में खरीदारों से दो प्रतिशत कृषि बाज़ार टैक्स लेने की व्यवस्था की गई है, जबकि तुरंत नष्ट होने वाली कृषि उपज पर यह टैक्स एक प्रतिशत होगा।
- राज्य में कृषि विपणन में व्यापक सुधार एवं पारदर्शिता के उद्देश्य से 'एक देश एक बाज़ार' की परिकल्पना को साकार करने हेतु राज्य के कृषकों को आधुनिक विपणन व्यवस्था के तहत इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल से जोड़ा जाएगा।
- कृषि बाज़ार टैक्स से प्राप्त राजस्व से ग्रामीण हाट-बाज़ारों के आधुनिकीकरण के साथ नए बाज़ारों की स्थापना की जाएगी, ताकि किसानों को प्रत्येक 10 किमी. पर बाज़ार उपलब्ध हो सके।

नोट :

बोकारो स्टील प्लांट और डालमिया भारत फाउंडेशन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये

चर्चा में क्यों ?

18 मई, 2022 को बोकारो में कौशल विकास केंद्र की स्थापना के लिये सेल-बोकारो स्टील प्लांट और डालमिया भारत फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गए।

प्रमुख बिंदु

- इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य डालमिया भारत फाउंडेशन के DIKSHA (डालमिया इंस्टीट्यूट ऑफ नॉलेज एंड स्किल हार्नेसिंग) केंद्र के माध्यम से आसपास के गाँवों में स्थानीय युवाओं को अल्पकालिक, प्लेसमेंट-आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिये एक कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना है।
- इस संयुक्त पहल के माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिये बेहतर संभावनाएँ सुनिश्चित करने हेतु उन्हें प्रासंगिक कौशल प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।
- इस योजना के तहत लाभार्थियों को कुछ मामूली शुल्क के साथ पाठ्यक्रमों की पेशकश की जा सकती है। सेल-बीएसएल बाद में झारखंड में स्थित अपनी खदानों में भी इसी तरह के केंद्र खोलने की संभावनाएँ तलाशेगा।
- गौरतलब है कि पिछले साल बीएसएल प्रबंधन ने अपनी सीएसआर योजना के तहत बोकारो के कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिये डालमिया भारत के सहयोग से बोकारो में एक कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी थी।
- दोनों संगठन स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाने के माध्यम से उन्हें बाज़ार के लिये तैयार करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करके अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाकर समाज में परिवर्तन लाने के लिये एक सामान्य दृष्टिकोण और मूल्य प्रणाली साझा करते हैं।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रारंभिक बैच की संख्या 30 होगी। इसके बाद मांग तथा भविष्य की संभावनाओं के अनुसार और पाठ्यक्रम जोड़े जाएंगे।
- केंद्र मुख्यरूप से बोकारो के परिधीय गाँवों में रहने वाले युवाओं को कौशल विकास प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। केंद्र के दो महीने की अवधि के भीतर परिचालन शुरू करने की संभावना है।
- समझौते के तहत जहाँ बीएसएल आवश्यक बुनियादी ढाँचा सहायता प्रदान करेगा, वहीं डालमिया भारत पर संकाय और प्लेसमेंट सहायता सहित केंद्र की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों के प्रबंधन की ज़िम्मेदारी रहेगी।

साइंस फिल्म फेस्टिवल की मेज़बानी करेगा बोकारो

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में सोसाइटी फॉर साइंस संस्था के अध्यक्ष डॉ. टी. पचाल ने बताया कि स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को विज्ञान जागरूकता वर्ष के रूप में मनाते हुए बोकारो में पहली बार साइंस फिल्म फेस्टिवल की मेज़बानी करने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- साइंस फॉर सोसाइटी, झारखंड की कार्यकारिणी समिति बोकारो की बैठक में सर्वसम्मति से बोकारो में पहली बार साइंस फिल्म फेस्टिवल मनाने का फैसला किया गया है। यह दोदिवसीय कार्यक्रम इस साल सितंबर में आयोजित होगा।
- इस फिल्म महोत्सव में देश भर की करीब 30 पुरस्कार विजेता फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। झारखंड, बंगाल, असम, उत्तराखंड, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गोवा, ओडिशा, कर्नाटक, दिल्ली और अन्य राज्यों में निर्मित विज्ञान फिल्मों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।
- फिल्म के निर्माता और निर्देशक भी इस महोत्सव में भाग लेंगे। इसके अलावा इस कार्यक्रम में ज़िले के छात्र, शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर और नागरिक भाग लेंगे।
- बोकारो के सोसाइटी फॉर साइंस के महासचिव राजेंद्र कुमार ने कहा कि यह फिल्म महोत्सव बच्चों को विज्ञान को बढ़ावा देने और प्रचार करने के लिये काफी हद तक प्रेरित करेगा।

नोट :

चट्टी-बरियातू कोयला खनन परियोजना में खनन कार्य शुरू

चर्चा में क्यों ?

21 मई, 2022 को एनटीपीसी लिमिटेड की चट्टी-बरियातू कोयला खनन परियोजना ने लगभग 7 मीटर की गहराई तक खुदाई के बाद कोयला सीम (Coal Seam) को छूकर एक और मील का पत्थर हासिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि एनटीपीसी लिमिटेड की चट्टी-बरियातू कोयला खनन परियोजना ने 25 अप्रैल, 2022 को अपना खनन कार्य शुरू किया था।
- इसके साथ ही बॉक्स-कट की खुदाई भी शुरू हो गई है, जिससे जुलाई 2022 से कोयला उत्पादन शुरू करने का मार्ग प्रशस्त होगा।
- चट्टी-बरियातू शीघ्र ही पकरी बरवाडीह, दुलंगा और तलाईपल्ली के साथ एनटीपीसी की कोयला उत्पादक खदानों की लगातार बढ़ती हुई सूची में शामिल हो जाएगा।
- अपने चरम पर चट्टी-बरियातू कोयला खनन परियोजना प्रति वर्ष 7 मिलियन टन कोयले का उत्पादन करेगी और एनटीपीसी के बाढ़ एसटीपीपी (चरण- II) को कोयले की आपूर्ति करेगी।
- इस खनन परियोजना से कोयला उत्पादन शुरू होने के साथ यह एनटीपीसी की कोयला खदानों से कोयले के उत्पादन में और इज़ाफा करेगी, जिसने पिछले वित्त वर्ष के दौरान उत्पादित 11 मिलियन टन की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में 14 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है और 27% की सालाना वृद्धि दर्ज की है।

बीज विनिमय एवं वितरण कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

23 मई, 2022 को मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा बताया गया कि झारखंड में पहली बार समय से पहले किसानों को बीज वितरण की प्रक्रिया शुरू करते हुए बीज विनिमय एवं वितरण कार्यक्रम योजना के अंतर्गत खरीफ फसल के बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर 11 मई, 2022 से उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रमुख बिंदु

- राज्य में कृषि निदेशालय किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज का वितरण ब्लॉकचेन आधारित ट्रेसबिलिटी प्लेटफॉर्म के ज़रिये कर रहा है, जिससे किसानों को बीज की समय पर उपलब्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित हो पा रही है।
- इसके साथ ही झारखंड ब्लॉकचेन प्रणाली से बीज वितरण करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।
- खरीफ मौसम में मात्र एक महीने में ही 101065 किसानों को ब्लॉकचेन आधारित बीज ट्रेसबिलिटी प्लेटफॉर्म पर निबंधित कर लिया गया है। साथ ही 123 एफपीओ (FPOs) को भी पंजीकृत किया गया है ।
- इस प्रणाली से बीज के साथ कृषि निदेशालय की अन्य सरकारी कृषि योजनाओं का भी लाभ निबंधित किसानों व एफपीओ को दिया जाएगा।

आयरलैंड दौरे के लिये झारखंड की तीन महिला खिलाड़ी चयनित

चर्चा में क्यों ?

25 मई, 2022 को सिमडेगा हॉकी के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने बताया कि आयरलैंड दौरे के लिये जूनियर भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड के सिमडेगा की तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- मनोज कोनबेगी ने बताया कि हाकी इंडिया ने आगामी अंडर-23, 5 नेशन टूर्नामेंट के लिये 20 सदस्यों की भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा की है, जिसमें सिमडेगा की ब्यूटी डुंगडुंग, दीपिका सोरेंग व महिमा टेटे का नाम शामिल हैं।

नोट :

- गौरतलब है कि ब्यूटी डुंगडुंग पूर्व से ही जूनियर भारतीय महिला हाकी टीम की नियमित सदस्य हैं। दीपिका सोरेंग व महिमा टेटे पहली बार जूनियर भारतीय टीम में चयनित हुई हैं।
- तीनों चयनित खिलाड़ी 19 जून से 26 जून, 2022 तक डबलिन, आयरलैंड में आयोजित हॉकी प्रतियोगिता में भारतीय टीम की सदस्य के रूप में भाग लेंगी।

तंबाकू नियंत्रण के लिये झारखंड को डब्ल्यूएचओ पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

29 मई, 2022 को झारखंड के राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के नोडल अधिकारी ललित रंजन पाठक ने बताया कि झारखंड को तंबाकू की खपत को नियंत्रित करने के प्रयासों के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस (डब्ल्यूएनटीडी) पुरस्कार, 2022 के लिये चुना है।

प्रमुख बिंदु

- 31 मई को नई दिल्ली में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर झारखंड स्वास्थ्य विभाग का स्टाटा तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ पुरस्कार ग्रहण करेगा।
- ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे (जीएटीएस)-1 की रिपोर्ट के अनुसार, जब वर्ष 2012 में झारखंड में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) शुरू किया गया था, तब राज्य में तंबाकू प्रसार दर 51.1 प्रतिशत थी, जिसमें से 48 प्रतिशत धूम्रपान रहित उपयोगकर्त्ता थे।
- 2018 में प्रकाशित हुई रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य में तंबाकू सेवन करने वालों की संख्या घटकर 38.9 प्रतिशत हो गई, जिनमें से 35.4 प्रतिशत धूम्रपान रहित उपयोगकर्त्ता थे।
- रंजन पाठक ने बताया कि झारखंड ने 2018 और 2022 के बीच कई उपायों की शुरुआत की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, डब्ल्यूएचओ और समर्पित राज्य एवं ज़िला स्वास्थ्य टीमों ने झारखंड में तंबाकू प्रसार दर को कम करने में बहुत योगदान दिया है।

29 से बढ़कर 38 हुए खान सुरक्षा महानिदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय

चर्चा में क्यों ?

29 मई, 2022 को खान सुरक्षा महानिदेशालय (DGMS), धनबाद ने क्षेत्रीय कार्यालयों की संख्या 29 से बढ़ाकर 38 करने की अधिसूचना जारी कर दी गई।

प्रमुख बिंदु

- एक दशक से भी अधिक समय के बाद खान सुरक्षा महानिदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालयों का पुनर्गठन कर उनकी संख्या बढ़ाई गई है। हालांकि, जोन की संख्या (वर्तमान में 8) में कोई बदलाव नहीं किया गया है।
- इस्टर्न ज़ोन सीतारामपुर, साउथ-इस्टर्न ज़ोन रांची, साउदर्न ज़ोन बैंगलोर, वेस्टर्न ज़ोन नागपुर एवं नॉर्थ-वेस्टर्न ज़ोन उदयपुर में एक-एक क्षेत्रीय, साउथ सेंट्रल ज़ोन हैदराबाद और नॉदर्न ज़ोन गाज़ियाबाद में दो-दो क्षेत्रीय कार्यालय को जोड़ा गया है।
- इस्टर्न ज़ोन सीतारामपुर में गुवाहटी रीजन-2, साउथ-इस्टर्न ज़ोन राँची में भुवनेश्वर रीजन-2, साउदर्न ज़ोन बैंगलोर में बेल्लारी रीजन-2, वेस्टर्न ज़ोन नागपुर में परसिया रीजन, नॉर्थ-वेस्टर्न ज़ोन उदयपुर में अहमदाबाद रीजन-2, साउथ सेंट्रल ज़ोन हैदराबाद में नेल्लोर रीजन व हैदराबाद रीजन-3 तथा नॉदर्न ज़ोन गाजियाबाद में श्रीनगर रीजन व अजमेर रीजन-2 को जोड़ा गया है।
- उल्लेखनीय है कि इससे पहले डीजीएमएस के क्षेत्रीय कार्यालयों का पुनर्गठन वर्ष 2009 में किया गया था, तब 6 ज़ोन, 21 क्षेत्रीय कार्यालय और पाँच उपक्षेत्रीय कार्यालय के साथ मौजूदा 6 ज़ोन में 2 नए ज़ोन के साथ 29 क्षेत्रीय और 3 उपक्षेत्रीय कार्यालय के साथ 8 ज़ोन के वर्तमान स्तर तक लाया गया था।

नोट :

- 2 नए ज़ोन- साउदर्न ज़ोन और नॉर्थ-वेस्टर्न ज़ोन और 8 नए क्षेत्रीय कार्यालय- वाराणसी, सूरत, अहमदाबाद, बैंगलोर, बेल्लारी, गुवाहटी (उपक्षेत्रीय से क्षेत्रीय में अपग्रेड), रायगढ़ और ग्वालियर का गठन किया गया था। उस समय रामगढ़ उपक्षेत्रीय कार्यालय को राँची में ट्रांसफर कर दिया गया और साउदर्न-इस्टर्न ज़ोन, राँची के साथ विलय कर दिया गया था।

जैन तीर्थस्थल पारसनाथ

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा और उनकी टीम द्वारा किये जा रहे अध्ययन में यह पता लगा है कि पारसनाथ और इसके तराई वाले वन क्षेत्र में बढ़ती मानवीय गतिविधियों के कारण पिछले 4 दशकों से वन क्षेत्र में लगातार कमी देखी जा रही है।

प्रमुख बिंदु

- पारसनाथ पहाड़ी झारखंड के गिरिडीह ज़िले में स्थित पहाड़ियों की एक श्रृंखला है, जिसकी सर्वोच्च छोटी 1350 मीटर ऊँची है।
- जैन धर्मावलंबी इसे सम्मेद शिखर कहते हैं। इस पहाड़ी का नामकरण 23वें जैन तीर्थंकर के नाम पर पारसनाथ किया गया है।
- पारसनाथ जैनियों की उपासना का एक प्रमुख केंद्र है, क्योंकि यहाँ 24 जैन तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकरों को कैवल्य की प्राप्ति हुई थी। इनमें से प्रत्येक के लिये पहाड़ी पर एक मंदिर (गुमटी या तुक) निर्मित किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि संथाल इस पहाड़ी को मारंग बुरु कहते हैं। वे वैशाख (मध्य अप्रैल) में पूर्णिमा दिवस पर एक शिकार त्योहार मनाते हैं।

The Vision

नोट :